

Name of the College - APSM College Baranwari

Name - Dr. Rajesh Kumar Suman

Dept - Economics

Date - 26.4.2024

Designation - [MT]

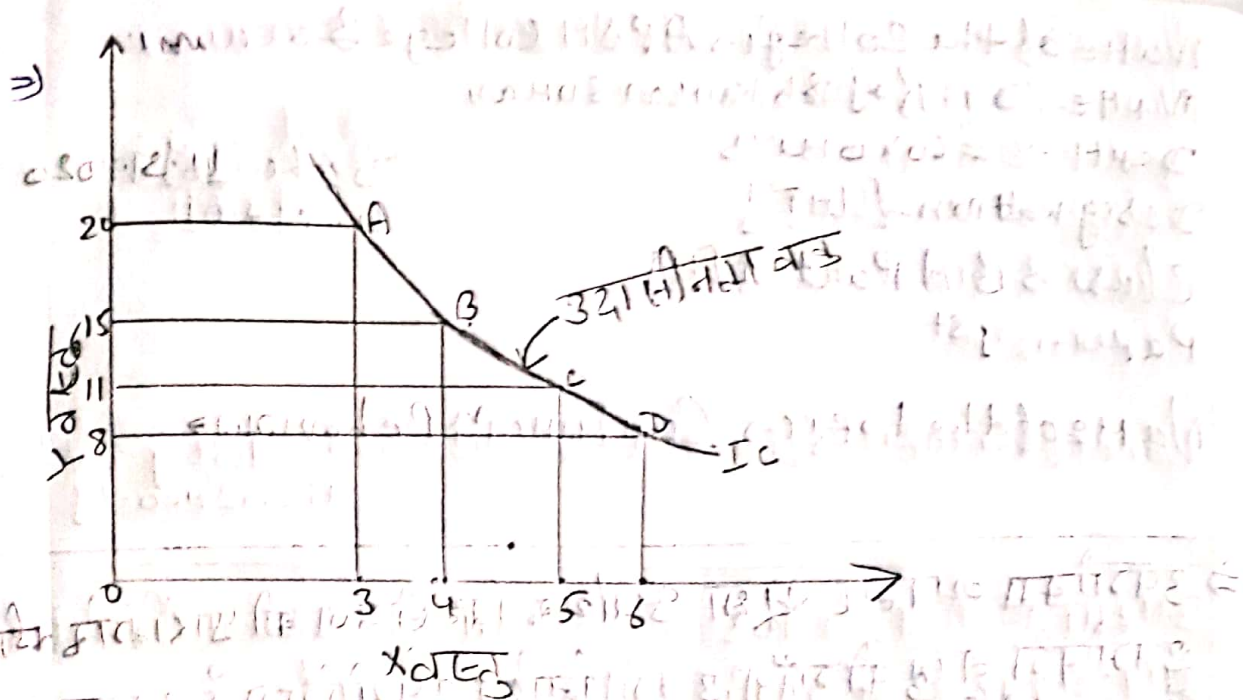
Unit - 01

Class - B.A Part - 1 [H]

Paper - 1st

Name of the topic - Consumer's Behaviour

- ⇒ उपभोक्ता व्यवहार सूक्ष्म आर्थिक विश्लेषण की प्रारम्भिक सीमा है। उपभोक्ता वस्तु की माँग इसमें निर्माह उपयोगिता के कारण होता है। उपयोगिता का अर्थ है - आवश्यकता से अनुचित अधिक Want है। [Satisfying Power]
- ⇒ उदासीनता वक्र विश्लेषण [Indifference Curve Analysis] -  
→ हिंस्र द्वारा परिपादित उपभोक्ता व्यवहार के अध्ययन का आधार क्रम क्रमिक प्राथमिकता [Ordinal preference] है। और यह दुर्बल क्रमिकता [Weak Ordinality] पर आधारित है। सर्वप्रथम एजवर्थ [1881] ने, इसके बाद पॉरेटो ने उदासीनता वक्र विचार प्रस्तुत किया, हिंस्र और टैलन ने इस विचार को वैज्ञानिक रूप में प्रस्तुत किया, प्रॉ. एल्सहोर्सी ने भी इसको वैज्ञानिक रूप में प्रस्तुत किया।
- ⇒ उपभोक्ता व्यवहार उदासीनता अनुसूची द्वारा प्रदर्शित किया जाता है, उदासीनता अनुसूची उपभोक्ता का समान अनुसूची देने वाले दो वस्तुओं के विभिन्न संयोगों की बराबरी है, उदासीनता अनुसूची को ग्राफ में प्रदर्शित करने पर उदासीनता वक्र प्राप्त होता है।



⇒ चित्र में उदासीनता वक्र IC के साथ A, B, C, D बिंदु पर उपभोग्य से समान संतुष्टि मिल रही है। एक उदासीनता वक्र संतुष्टि के एक स्तर से बराबर है, अर्थात् उदासीनता वक्रों से मिलकर एक उपभोग्य से उदासीनता मानांकन बनता है।

⇒ उदासीनता वक्र की मान्यताएँ →

- (i) उपभोग्य का विवेकपूर्ण व्यवहार
- (ii) क्रमवाचक संतुष्टि संकेत
- (iii) उपभोग्य का संगत व्यवहार
- (iv) धट्टी सीमान्त प्रतिस्थापन
- (v) दुर्बल क्रमबद्धता
- (vi) उपभोग्य का संक्रमक व्यवहार
- (vii) वक्रुत अभाव उच्च विभाजनीय